test

01 January 1990, Monday
01:00:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश	: 77.12E
अक्षांश	: 28.36N
साम्पातिक काल	: 7:19:34
स्थानीय मानक समय	: 00:38:48
अयनांश	: 23.72 एन सी लाहिरी

लग्न	: कन्या
लग्नपति	: बुध
राशी	: कुम्भ
राशी स्वामी	: शनि
नक्षत्र	: धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
चरण	: 2
नाड़ी	: मध्य
नाड़ी पद	: आदि
तिथि	: चतुर्थी शुक्ल
पाया	: स्वर्ण
सूर्य सिद्धांत योग	: वज्र
करण	: विष्टि
वर्ण	: शूद्र
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: जलचर
योनि	: सिंह(स्त्री.)
विहग	: वायस
गण	: राक्षस
प्रथम अक्षर	: ग, गी, गू, गे
सूर्य राशि	: धनु

लग्न कुन्डली

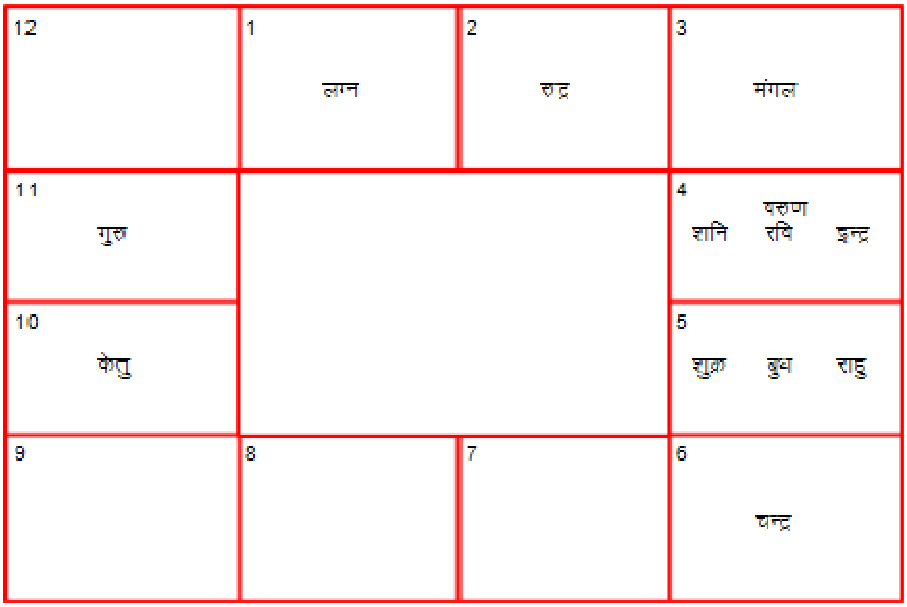

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र–पद	स्वामी
लग्न		कन्या	बुध	23:46:34	चित्रा–1	मंगल
रवि	मार्गी	धनु	गुरु	16:23:45	पूर्वाषाढ़ा–1	शुक्र
बुध	वक्री	मकर	शनि	2:6:43	उत्तराषाढ़–2	रवि
शुक्र	वक्री	मकर	शनि	12:35:5	श्रवण–1	चन्द्र
मंगल	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	15:47:57	अनुराधा–4	शनि
गुरु	वक्री	मिथुन	बुध	11:31:28	अरिद्रा–2	राहु
शनि	मार्गी	धनु	गुरु	21:51:34	पूर्वाषाढ़ा–3	शुक्र
चन्द्र	मार्गी	कुम्भ	शनि	0:19:41	धनिष्ठा–3	मंगल
राहु	वक्री	मकर	शनि	24:45:17	धनिष्ठा–1	मंगल
केतु	वक्री	कर्क	चन्द्र	24:45:17	आश्लेषा–3	बुध
इन्द्र	मार्गी	धनु	गुरु	12:1:38	मूला–4	केतु
वरुण	मार्गी	धनु	गुरु	18:17:43	पूर्वाषाढ़ा–2	शुक्र
रुद्र	मार्गी	तुला	शुक्र	23:21:27	विशाखा–2	गुरु

आपका कैरियर और संभावनायें

इस रिपोर्ट में आपकी जन्मकुण्डली के अनुसार आपके लिये कैरियर की संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है. आपकी जन्मकुण्डली में ग्रहों की स्थिति और योगों का अध्ययन कर ज्योतिष द्वारा यह जाना जा सकता है कि आपके कैरियर के लिये किन विकल्पों का चुनाव बेहतर होगा. साथ ही यह भी कि आप अपने कैरियर के दौरान किस तरह के अवसरों व बाधाओं का सामना कर सकते हैं.

आपकी कुण्डली में बनने वाले कैरियर से संबंधित योग

कुण्डली में बनने वाले शुभ और अशुभ ग्रहों व भावों के योगों का आपके जीवन व कैरियर पर गहन प्रभाव होता है. कैरियर के विश्लेषण के लिये राशियों व भावों में ग्रहों की स्थिति के अलावा योगों का भी विश्लेषण जरूरी है. आगे आपकी कुण्डली में बनने वाले योग व उनका प्रभाव दिया गया है.

कर्म से धन प्राप्ति योग

आपकी कुण्डली में दशमेश तथा द्वितीयेश दोनों एक साथ स्थित हैं. आप अपनी मेहनत एवं लगन से धनार्जन कर आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बना सकते हैं.

भेरी योग

लग्नेश, शुक्र तथा गुरू एक–दूसरे से केन्द्र में बैठे हैं तथा नवम घर का स्वामी बलवान है. ग्रहो का यह संयोग आपकी कुण्डली मे भैरी योग बना रहा है. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आप स्वाभिमानी होंगे. आपको सदैव भाग्य का साथ मिलेगा जिससे सफलता के लिए अधिक संघर्ष नहीं करना होगा. शुक्र आपकी रूचि कला में जागृत करेगा. केन्द्र में बैठा गुरू ज्ञान और धनार्जन में सहयोगी होगा. आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहने की संभावना है.

शंख योग

आपकी कुण्डली में पांचवें घर का स्वामी तथा छठे घर का स्वामी एक दूसरे से केन्द्र में है और लग्न बलवान है जिससे शंख योग बन रहा है. यह योग शिक्षा के लिए उत्तम होता है.

संभावना है कि पढ़ाई–लिखाई में आपका मन लगेगा. आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे. प्रतियोगिताओं में सफलता मिलेगी. आप प्रतिष्ठित होंगे.

चिकित्सक बनने का योग

राहु आपकी कुण्डली में बलवान है और केतु के साथ इसका दृष्टि सम्बन्ध बन रहा है. चिकित्सक बनने के लिए यह अच्छा योग है. आप चाहें तो अपनी मेहनत और बुद्धि से चिकित्सक बन सकते हैं. औषधियों के आप अच्छे जानकार होंगे जिससे आपको नाम और यश मिल सकता है.

आपका कैरियर ज्योतिष की निगाह से

लग्न का आपके कैरियर पर प्रभाव

आप अन्तर्मुखी होंगे और सत्य बोलना पसंद करेंगे. अपनी बौद्धिक क्षमता से गणित सहित अनेक भाषाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. इससे कैरियर संवारने में आपको मदद मिलेगी.

आप अपना अच्छा बुरा समझेंगे और चतुराई से काम निकालने की कोशिश करेंगे. संगीत से आपका लगाव होगा और हमेशा खुश रहने की कोशिश करेंगे. मित्रों से आप कार्य में मदद ले सकते हैं.

दशम भाव का आपके कैरियर पर प्रभाव

जन्म कुण्डली के दशवें घर में बैठा मिथुन राशि आपको एक साथ कई कार्य करने की योग्यता प्रदान करेगा. आप पारम्परिक कार्यों में रूचि लेंगे परंतु नियमों में बंधकर कार्य करना पसंद नहीं करेंगे.

अपने कार्य को दूसरों के काम से अधिक महत्व देंगे और अपनी बुद्धि एवं चतुराई से सभी मुख्य कार्यों का श्रेय लेने की कोशिश करेंगे. स्वतंत्र रूप से जो भी कार्य करेंगे उसमें आपकी योग्यता अधिक नि खरकर आएगी.

दशम घर के स्वामी की स्थिति

बुध आपकी कुण्डली में शुभ स्थिति में है. यह आपको विश्लेषणात्मक बुद्धि प्रदान कर रहा है. आप ज्ञानी तथा कई विषयों के जानकार होंगे. गणित के कार्य में आप दक्ष हो सकते हैं. जहां भी काम करेंगे पूरी लगन और निष्ठा से काम में जुटे रहेंगे.

सहकर्मियों एवं दूसरों लोगो के साथ घुल–मिलकर रहना पसंद होगा. संगठित रूप से काम करना आपको अच्छा लगेगा. लोग आपके बोल–चाल के तरीके से प्रभावित रहेंगे. कार्य क्षेत्र में अपनी व्यवहार कुशलता से अच्छी छवि बना सकते हैं.

दशम घर के स्वामी के स्थान का प्रभाव

आपका कार्य क्षेत्र शिक्षा से जुड़ा हो सकता है. मनोरंजन, रंगमच, चलचित्र एवं विभिन्न प्रकार की कलाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करके अपना कैरियर बना सकते हैं. आपकी रूचि खेलों में है तो इसमें भी आपके लिए अच्छी संभावना रहेगी. प्रयास करने पर आप सरकारी नौकरी भी प्राप्त कर सकते हैं.

व्यवसाय करना चाहते हैं तो खेती तथा ज़मीन से जुड़ा व्यवसाय आपके लिए फायदेमंद होगा. धार्मिक कार्य–कलापों से भी आप जुड़ सकते हैं. आप बुद्धिजीवी होंगे आजीविका से प्राप्त आय में से काफी धन बचा पाएंगे.

दशम कुण्डली में दशम भाव के स्वामी का प्रभाव

बुध आपकी कुण्डली के दशमांश वर्ग कुण्डली में दशवें घर का स्वामी है. आप बुद्धिमान होंगे. आपमें नई चीज़ों को जानने और समझने की चाहत होगी इससे किसी भी विषय को जल्दी सीख सकते हैं. आपका यह गुण कैरियर संवारने में आपका मददगार होगा. हंसी–मजाक के बीच कार्य करना आपको अच्छा लगेगा.

आपके ज्ञान का स्तर ऊँचा होगा. लेखन, पत्रकारिता एवं संचार माध्यमों में आप अच्छी सफलता प्राप्त

कर सकते हैं. जिन क्षेत्रों में वाणी को प्रमुखता दी जाती है उन क्षेत्रों में आपके लिए अच्छी संभावना रहेगी. बैंक और गणित विषय से सम्बन्धित कार्य में आप उन्नति करेंगे.

व्यवसाय भी कैरियर के लिहाज से आपके लिए अच्छा क्षेत्र है, इसमें आप कामयाबी प्राप्त कर सकते हैं. खेल में आपकी रूचि है और इसमें अपना कैरियर बनाना चाहते हैं तो लगन और मेहनत से प्रयास कीजिए इससे आपको प्रसिद्धि मिलेगी.

आपकी रुचियां एवं शौक

आपकी रूचि रहस्यमयी विषयों तथा दूसरों के मन की बात जानने में हो सकती है जिससे आप मनोचिकित्सक अथवा जासूसी के काम करना चाहेंगे. रहस्यमयी कहानियां एवं फिल्में देखना पसंद करेंगे . ज्योतिष विद्या आपको लुभाएगी और आप इसे सीखकर अच्छे ज्योतिषी बनने की सोच सकते हैं.

पानी के खेल तथा शतरंज पसंद करेंगे. जादू का खेल आपको अच्छा लगेगा. अधिक से अधिक धन जमा करने की आपकी चाहत होगी. अध्यात्मिक कार्यों में भाग लेंगे.

आपकी कुण्डली के आय भाव में ग्रह

आपके कैरियर की संभावनाओं के विश्लेषण के लिये कुण्डली के आय भाव को देखना जरूरी है. आय भाव में ग्रहों की स्थिति आपके आय की संभावनाओं पर गहरा असर डालती हैं.

केतु

एकादश भाव में केतु स्थित है. भाषाओं का विस्तृत ज्ञान आपके लिए फायदेमंद है. अपने कार्य के प्रति उत्साहित रहें और मनोबल ऊँचा रखें.

तकनीकी क्षेत्र से जुड़ा कार्य करना आर्थिक रूप से अच्छा है. आपको व्यवहारिक होना चाहिए और प्रगतिशील विचारों को अपनाना चाहिए. वाद–विवाद से दूर रहने से भी धन प्राप्ति की राहें सुगम होंगी.

आपकी कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रहों की अपनी गति होती है. जन्म के समय जो ग्रह कुण्डली के जिस घर में होते हैं उसके अनुरूप जीवन पर्यन्त अपना फल देते हैं. ग्रह की स्थिति शुभ होने पर उनका फल शुभ प्राप्त होता है जबकि अशुभ या कमज़ोर स्थिति होने पर ग्रहों से मिलने वाले शुभ फलों में कमी आती है. कैरियर के विषय में ग्रह अपनी स्थिति के अनुरूप परिणाम देते हैं. आपकी कुण्डली में जो ग्रह जिस घर में मजबूत अथवा कमज़ोर अवस्था में हैं उनके अनुरूप ग्रहों का फल यहां प्रस्तुत है.

कुण्डली में सूर्य की स्थिति

सूर्य आपकी कुण्डली के चौथे घर में मजबूत स्थिति में है. आपको अपने पिता का सहयोग मिलेगा.

मित्रों से भी आपको सहायता मिल सकती है. सरकारी विभाग में नौकरी तथा सरकार से सम्बन्धित कार्य करना आपके लिए फायदेमंद होगा. कार्य क्षेत्र में आप प्रतिष्टित होंगे तथा समाज में आपको सम्मान मिलेगा.

कार्य से समय निकालकर सैर–सपाटे का विचार बना सकते हैं. अपनी आय से वाहन खरीद सकते हैं अथवा इस योग के प्रभाव से वाहन सुख प्राप्त कर पाएंगे. आपके पास प्रखर बुद्धि होगी तथा माता का अशीर्वाद प्राप्त होगा जिनसे कार्य क्षेत्र में काफी उन्नति कर सकते हैं. गूढ़ विषयों में रूचि लेंगे, विचारों में दार्शनिकता का भाव रहेगा.

कुण्डली में बुध की स्थिति

पांचवें घर को बुद्धि, ज्ञान और विद्या का घर कहते हैं. आपकी कुण्डली में बुध इस घर में मजबूत स्थिति में है. आप बुद्धिमान होंगे तथा आपकी शिक्षा अच्छी होगी. गणित विषय से आपका अधिक लगाव होगा. संभावना है कि गणित प्रधान क्षेत्र में आप अपना कैरियर बना सकते हैं.
व्यवसायिक जीवन में आप व्यवहारिक रहेंगे. आपमें अपनी बातों को स्पष्ट रूप से कहने की योग्यता होगी. लोग आपकी बातों और बोलने के तरीके से प्रभावित भी होंगे. छोटे–भाई बहनों से आदर और सहयोग मिलता रहेगा.

कुण्डली में शुक्र की स्थिति

आपकी कुण्डली के पंचम भाव में बैठा शुक्र बलवान है. आप कला विषय में शिक्षा प्राप्त करेंगे. आपकी कलात्मक प्रतिभा को सम्मान मिलेगा. अभिनय का आपको शौक हो सकता है, इसके माध्यम से धन और यश कमाने की सोच सकते हैं. सौन्दर्य जगत में भी आपके लिए अच्छी संभावना है. स्त्री सौन्दर्य से जुड़ी वस्तुओं के कारोबार में लाभ की अच्छी संभावना रहेगी. अपनी आय से ऐश्वर्य पूर्ण जीवन का आनन्द लेना चाहेंगे.

कुण्डली में मंगल की स्थिति

आपकी कुण्डली में बलवान मंगल तीसरे घर में बैठा है. आप दिखने में भले ही दुबले–पतले होंगे परंतु साहसी और पराक्रमी होंगे. अपने विरोधियों को मात देकर सदैव आगे बढ़ेंगे. किसी भी तरह की कठिनाई आने पर घबराएंगे नहीं बल्कि कठिनाई का हल निकालने की कोशिश करेंगे.
आजीविका के अलावा जीवन के दूसरे विषयों में भी भाग्य आपका साथ देगा. मेहनत से आप धन कमाने में सफल हो सकते हैं. लोगों के प्रति आपका व्यवहार नम्र होगा. ईश्वर के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी. अपनी आय से कुछ धन धार्मिक कार्यों में खर्च कर सकते हैं.

कुण्डली में गुरु की स्थिति

कुण्डली के दशम भाव में बैठा गुरू कमज़ोर अवस्था में है. आप बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हो सकते हैं जिस पर आपको नियंत्रण रखने की आवश्यकता है. अपने बेहतर कैरियर के लिए ज्ञान प्राप्ति पर ध्यान देना चाहिए. योग्यता के अनुसार यदि पद नहीं मिलता है तो इससे परेशान नहीं हों. अपने लक्ष्य पर

ध्यान केन्द्रित करके आगे बढ़ने हेतु प्रयास करते रहना आपके हित में होगा.

आपका हित इसी में है कि निर्णय सोच–विचार कर लें, दुविधापूर्ण स्थिति में लिया गया निर्णय परेशानी का सबब बन सकता है. कार्यक्षेत्र में आपको अपने सीनियर्स के अनुभव से लाभ उठाना चाहिए तथा नियमों में रहकर कार्य करने की आदत डालनी चाहिए. इससे आजीविका में अपनी स्थिति अच्छी बना सकेंगे. आय पर इसका शुभ प्रभाव पड़ेगा. धन जमा करने को लेकर अधीर होना उचित नहीं होगा. इस विषय में सब्र से काम लेना अच्छा रहेगा. भाग्य के शुभ फलों को बढ़ाने के लिए धर्म–कर्म पर ध्यान दें.

कुण्डली में शनि की स्थिति

तकनीकी विषयों में आपकी रूचि होगी. यंत्रों के कार्य से आप धन कमा सकते हैं. चौथे घर में बैठा बलवान शनि दशम भाव को देख रहा है जिससे कार्य के प्रति आप गंभीर होंगे. आपके कार्य की गति भले ही धीमी होगी परंतु धैर्य और लगन से अपना काम करेंगे. इससे आपके काम को सराहना मिलेगी और आप सफलता के पथ पर आगे बढ़ेंगे. लोग आपके ईमानदार व्यक्तित्व की भी प्रशंसा करेंगे.

कुण्डली में चंद्र की स्थिति

मेहनत वाले काम करना आपको पसंद नहीं होगा. चन्द्र छठे घर में कमज़ोर स्थिति में बैठा हुआ है. व्यवसायिक जीवन में सफलता पाने के लिए आलस्य का त्याग करना होगा. शत्रुओं से सावधान रहने की जरूरत है. धन का लेन–देन सावधानी पूर्वक करना चाहिए नहीं तो नुकसान हो सकता है. आजीविका में परेशानियों से बचने के लिए अपने से अनुभवी और शुभ चिंतकों से सलाह लेकर कार्य करना आपके लिए फायदेमंद होगा. लोगों के साथ सहयोग की भावना बनाए रखना चाहिए इससे समय आने पर दूसरे लोग भी आपकी सहायता के लिए आगे आ सकते हैं.

कुण्डली में राहु की स्थिति

आपका मन आपको आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रेरित करेगा और आप अपने प्रयास से सफलता की ओर अग्रसर होंगे. संभावना है कि आप अपनी शिक्षा में शोध कार्य करें. शिक्षा में आपको सम्मान भी मिल सकता है. कम्युटर विज्ञान के आप अच्छे जानकार होंगे, कम्प्युटर आपकी आजीविका का माध्यम बन सकता है.
आपके कार्य में आपकी चतुराई और योग्यता की झलक मिलेगी. नीति बनाने और उन्हें लागू करने की आपमें अच्छी क्षमता हो सकती है. कार्य की जांच करके उन्हें बेहतर बनाने की योग्यता भी आपमें मौजूद होगी. इससे कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ना आसान होगा.

कुण्डली में केतु की स्थिति

आपकी कुण्डली के ग्यारहवे घर मे केतु कमजोर अवस्था मे है. शेयर बाज़ार, लॉटरी व रेस के माध्यम से धन कमाने की कोशिश करेंगे तो नुकसान होने की संभावना रहेगी. आजीविका में सफलता पाने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है. इससे आराम में कमी महसूस करेंगे.
केतु के इस योग में कार्य के उद्देश्य से आपको कुछ यात्राएं करनी होगी. इन यात्राओं में लापरवाही

और असावधानी नुकसानदेय हो सकती है. लोगों से मधुर सम्बन्ध बनाकर रखें और नियमों का पालन करते हुए ईमानदारी से कार्य करें इनसे व्यवसायिक क्षेत्र में आने वाली मुश्किलों में कमी आएगी. आय में वृद्धि के लिए बड़े भाई से सलाह ले सकते हैं. उनका सहयोग आपके लिए फायदेमंद होगा.

कार्यस्थल में दूसरों से आपके संबंध

व्यवसायिक क्षेत्र मे उच्चधिकारियों, सहयोगियों व अधीनस्थों के साथ सम्बन्ध विशेष रुप से महत्वपूर्ण होते हैं. इनसे अच्छे सम्बन्ध होने पर कार्य में आसानी होती है तथा सफलता आपके कदम चूमती है. वहीं खराब संबध उन्नति के रास्ते मे बाधक बनती हैं और कार्य क्षेत्र में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना होता है.

अपने वरिष्ठ सहकर्मियों के साथ आपने संबंध

आप आत्मविश्वास से परिपूर्ण, मेहनती और लगनशील व्यक्ति होंगे. आपके इन गुणों से अधिकारी प्रभावित होंगे तथा प्रतियोगियों से आगे निकल सकते हैं. सीनियर्स और अधिकारियों से आपको मार्गदर्शन मिलता रहेगा. इनके साथ अच्छे सम्बन्ध होने के कारण पदोन्नति के अवसर मिलते रहेंगे.

अपने समकक्ष सहकर्मियों के साथ आपके संबंध

अपने व्यवहार एवं विनोदी स्वभाव के कारण आप मित्रों एवं सहयोगियों के प्रिय हो सकते हैं. मित्रों एवं सहयोगियों के प्रति आपका व्यवहार सहयोगपूर्ण रहेगा. जरूरत पड़ने पर हर संभव सहायता के लिए तैयार रहेंगे. आपके इस स्वभाव के कारण जरूरत के वक्त मित्रों एवं सहयोगियों से भी आपको भरपूर सहयोग मिलेगा. आपसी सामंजस्य से आप कार्य योजनाओं को पूरा कर पाएंगे. इसका फायदा दोनों प क्षों को मिलेगा.

अपने कनिष्ठ सहकर्मियों के साथ आपके संबंध

आप कर्मठ और लगनशील व्यक्ति होंगे. अपने कार्य को समय पर पूरा करने के लिए कार्य में जुटे रहना आपको पसंद होगा. आपके इस स्वभाव के कारण आपके अधीन कार्य करने वाले लोग भी मेहनत से कार्य करेंगे. अपने साथ काम करने वालों को पूरा सम्मान देंगे. आपके इस व्यवहार से अधीनस्थों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा और कार्य का परिणाम बेहतर प्राप्त होगा.

आपकी कुण्डली से निष्कर्ष

आपकी शिक्षा व कुशलता

क्योंकि शिक्षा के योग कुण्डली में बहुत ज्यादा अच्छे नहीं है इसलिये लगता है कि आपके पास पारंपरिक शिक्षा से ज्यादा अपनी व्यक्तिगत कुशलत होगी. आपकी जन्मजात खूबियां आपके कैरियर को आगे बढ़ाने में सहायक होंगी इसलिए ज्यादा से ज्यादा इनका इस्तेमाल करें.

आपका कर्मस्थान

आपकी कुन्डली में बनने वाले योग ये इशारा करते हैं कि आपको अपने जन्मस्थान से दूसरे शहरों में कैरियर बनाने के मौके मिलेंगे. हो सकता है कि आपका व्यापार या नौकरी आपको अपने शहर से दूर ले जायें और वहां आप सफलता प्राप्त करेंगे.

भाग्य का सहयोग

आपकी कुण्डली में कई शुभ योग मौजूद हैं. इनके प्रभाव से सफलता प्राप्त करना आपके लिये मुश्किल नहीं होगा. अगर आप मेहनत व लगन से अपना कार्य करेंगे तो उसका सुफल आपको प्राप्त होगा और आप सफलता की सीढ़ीयां चढ़ते जायेंगे.

जीवन में वक्ती तौर पर कठिनाईयां आपको परेशान कर सकती हैं लेकिन अपनी हिम्मत और मेहनत के बल पर आप उन्हें आसानी से पार कर जायेंगे.

आपके लिये व्यापार या नौकरी में संभावनायें

आपकी कुण्डली में बनने वाले योग आपको एक सफल व्यापारी की खूबियां दे रहे हैं. आप बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे व वित्त और मैनेजमेन्ट की समझ आपको खुद का व्यापार चलाने में मदद करेगी. आपके लिये व्यापार लाभकारी होगा व इससे आपकी आय लगातार बढ़ेगी.

आपके लिये शुभ होगा कि आप अपनी पसंद का क्षेत्र चुनकर उसमें निपुण बनें तदुपरांत अपना व्यवसाय करें. इससे आपको सफलता प्राप्ति में मदद मिलेगी.

ज्योतिष द्वारा कैरियर में भाग्योदय के लिये उपाय

उपचार हमेशा पीड़ा को कम करता है. ज्योतिषशास्त्र में भी ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए तथा शुभ प्रभाव बढ़ाने के लिए उपचार की व्यवस्था है. ज्योतिषशास्त्र का मानना है कि विधि पूर्वक ग्रहों का उपचार करने पर सम्बन्धित ग्रह से मिलने वाली बाधाएं कम हो जाती हैं जिससे व्यक्ति अपने प्रयास से सफलता पाने में सक्षम होता है. कुण्डली के माध्यम से भविष्य जानने का उद्देश्य भी यही होता है कि उनके सामने आने वाली कठिनाईयों का निदान निकल सके तथा जीवन में खुशियां बनी रहे.

रत्न के द्वारा उपाय

आपका जन्म कन्या लग्न में हुआ है. शुक्र आपकी कुण्डली में भाग्य स्थान यानी नवम घर एवं संचय के घर यानी दूसरे घर के स्वामी हैं. शुक्र का रत्न हीरा धारण करना आपके भाग्य के लिए शुभ रहेगा. कार्य क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को दूर करने में आप सफल होंगे. व्यवसाय में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा तथा सुख–सुविधाओं की प्राप्ति होगी. यश व सम्मान मिलेगा.

सौन्दर्य प्रदान करने वाली वस्तुओं के काम में आपको अधिक लाभ मिल सकता है. रचनात्मक एवं कला से सम्बन्धित कार्य में आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा. गायन, संगीत, अभिनय के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं तो आपको प्रसिद्धि मिल सकती है. खेल–कूद के माध्यम से धन कमाने के इच्छुक है तब भी हीरा आपके लिए अच्छा है.

इसके प्रभाव से आपकी व्यवहारिकता बढ़ेगी. आपके आकर्षण, धन–वैभव में भी इजाफा हो सकता है. आप वाहन का सुख प्राप्त कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन के सुखों में वृद्धि होगी तथा पारिवारिक सम्बन्ध मधुर बनेंगे. शुक्ल पक्ष में शुक्रवार के दिन शुभ समय में इस रत्न को अंगूठी में लगवाकर इसे अभिमंत्रित करा लेना चाहिए, तत्पश्चात इसे धारण करना चाहिए.

दान द्वारा उपाय

ग्रहों के शुभ फल बढ़ाने के लिये तथा अशुभ प्रभाव को कम करने के लिये अनेक विधियां प्रचलित है. आप यदि दान के माध्यम से ग्रहों को शुभ बनाना चाहते हैं तो कुछ सामान्य नियमों को ध्यान में रखना चाहिए.

1. दान श्रद्धा और आस्था से देना चाहिए तभी दिये गये दान का पुण्य फल प्राप्त होता है. अश्रद्धा पूर्वक दिया गया दान निष्फल होता है.

2. व्यक्ति की जैसी आस्था होती है दान का फल उसी रूप में प्राप्त होता है.

3. दान विधि के अन्तर्गत विशेष रुप से ध्यान देने वाली बात यह है की दान अपने सामर्थय के अनुसार किये जाने चाहिए.

4. अपने सामर्थ्य के अनुसार दान में दी जाने वाली वस्तुओं की मात्रा बढ़ायी जा सकती है.

5. किसी ग्रह से संबन्धित सभी वस्तुओं का दान संभव न हो तो उसमें से जो संभव हो उसी का दान किया जा सकता है.

6. जरूरतमन्द को दिया गया दान उत्तम होता है.

बुध की वस्तुओं का दान व्यसायिक सफलता के लिए अच्छा रहेगा. बुध की वस्तुएं हैं हरे वस्त्र, मूंग की दाल, घी, हरे फल, भोजन, बुध यंत्र, पन्ना.

मन्त्रों के द्वारा उपाय

बुध के मंत्र ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः का नियमित 108 बार जप करना शुभ फलदायी रहेगा.

test

01 January 1990, Monday
01:00:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश	: 77.12E
अक्षांश	: 28.36N
साम्पातिक काल	: 7:19:34
स्थानीय मानक समय	: 00:38:48
अयनांश	: 23.72 एन सी लाहिरी

लग्न	: कन्या
लग्नपति	: बुध
राशी	: कुम्भ
राशी स्वामी	: शनि
नक्षत्र	: धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
चरण	: 2
नाड़ी	: मध्य
नाड़ी पद	: आदि
तिथि	: चतुर्थी शुक्ल
पाया	: स्वर्ण
सूर्य सिद्धांत योग	: वज्र
करण	: विष्टि
वर्ण	: शूद्र
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: जलचर
योनि	: सिंह(स्त्री.)
विहग	: वायस
गण	: राक्षस
प्रथम अक्षर	: ग, गी, गू, गे
सूर्य राशि	: धनु

लग्न कुन्डली

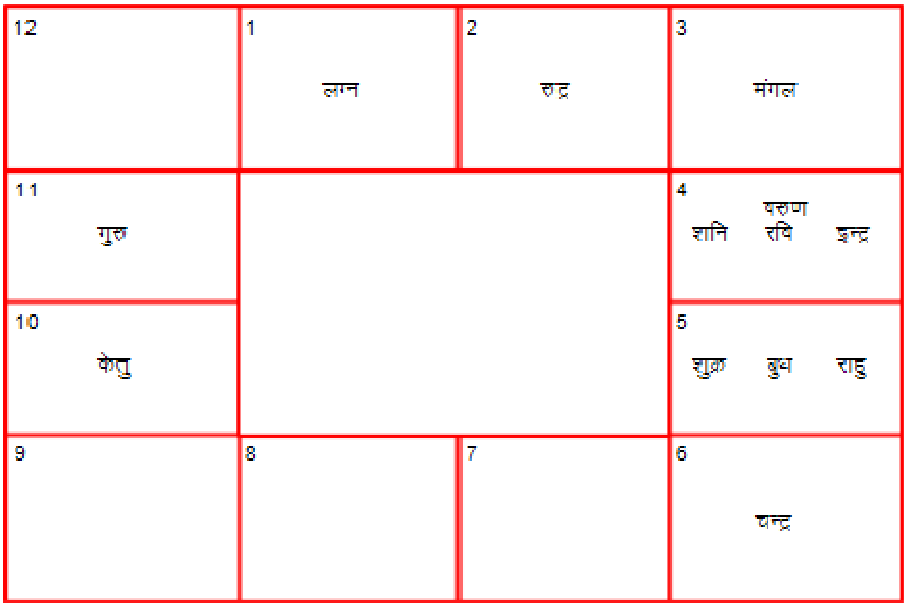

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र–पद	स्वामी
लग्न		कन्या	बुध	23:46:34	चित्रा–1	मंगल
रवि	मार्गी	धनु	गुरु	16:23:45	पूर्वाषाढ़ा–1	शुक्र
बुध	वक्री	मकर	शनि	2:6:43	उत्तराषाढ़–2	रवि
शुक्र	वक्री	मकर	शनि	12:35:5	श्रवण–1	चन्द्र
मंगल	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	15:47:57	अनुराधा–4	शनि
गुरु	वक्री	मिथुन	बुध	11:31:28	अरिद्रा–2	राहु
शनि	मार्गी	धनु	गुरु	21:51:34	पूर्वाषाढ़ा–3	शुक्र
चन्द्र	मार्गी	कुम्भ	शनि	0:19:41	धनिष्ठा–3	मंगल
राहु	वक्री	मकर	शनि	24:45:17	धनिष्ठा–1	मंगल
केतु	वक्री	कर्क	चन्द्र	24:45:17	आश्लेषा–3	बुध
इन्द्र	मार्गी	धनु	गुरु	12:1:38	मूला–4	केतु
वरुण	मार्गी	धनु	गुरु	18:17:43	पूर्वाषाढ़ा–2	शुक्र
रुद्र	मार्गी	तुला	शुक्र	23:21:27	विशाखा–2	गुरु

आपका कैरियर इस साल

सालाना कैरियर रिपोर्ट में आपको इस साल अपने कार्यस्थल में होने वाली हलचल का ज्योतिषीय आंकलन मिलेगा. ज्योतिष के सिद्धांतों के द्वारा आप पर ग्रहों के प्रभाव के विश्लेषण कर यह जाना जा सकता है कि साल भर में किस तरह की घटनाओं की अपेक्षा की जाये.

कैरियर रिपोर्ट में ग्रहों के गोचर और ग्रहदशा दोनों को ही जांचा गया है जिससे आपके ऊपर ग्रहों के निरंतर पड़ते प्रभाव को समझा जा सके.

विंशोत्तरी दशा (महादशा)

मंगल

	30 Apr 1986 - 30 Apr 1993
मंगल	30 Apr 1986 - 26 Sep 1986
राहु	26 Sep 1986 - 15 Oct 1987
गुरु	15 Oct 1987 - 20 Sep 1988
शनि	20 Sep 1988 - 30 Oct 1989
बुध	30 Oct 1989 - 27 Oct 1990
केतु	27 Oct 1990 - 25 Mar 1991
शुक्र	25 Mar 1991 - 24 May 1992
रवि	24 May 1992 - 29 Sep 1992
चन्द्र	29 Sep 1992 - 30 Apr 1993

राहु

	30 Apr 1993 - 01 May 2011
राहु	30 Apr 1993 - 11 Jan 1996
गुरु	11 Jan 1996 - 06 Jun 1998
शनि	06 Jun 1998 - 12 Apr 2001
बुध	12 Apr 2001 - 30 Oct 2003
केतु	30 Oct 2003 - 17 Nov 2004
शुक्र	17 Nov 2004 - 18 Nov 2007
रवि	18 Nov 2007 - 11 Oct 2008
चन्द्र	11 Oct 2008 - 12 Apr 2010
मंगल	12 Apr 2010 - 01 May 2011

गुरु

	01 May 2011 - 01 May 2027
गुरु	01 May 2011 - 18 Jun 2013
शनि	18 Jun 2013 - 30 Dec 2015
बुध	30 Dec 2015 - 06 Apr 2018
केतु	06 Apr 2018 - 13 Mar 2019
शुक्र	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
रवि	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
चन्द्र	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
मंगल	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
राहु	05 Dec 2024 - 01 May 2027

शनि

	01 May 2027 - 01 May 2046
शनि	01 May 2027 - 04 May 2030
बुध	04 May 2030 - 11 Jan 2033
केतु	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
शुक्र	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
रवि	21 Apr 2037 - 03 Apr 2038
चन्द्र	03 Apr 2038 - 02 Nov 2039
मंगल	02 Nov 2039 - 11 Dec 2040
राहु	11 Dec 2040 - 18 Oct 2043
गुरु	18 Oct 2043 - 01 May 2046

बुध

	01 May 2046 - 01 May 2063
बुध	01 May 2046 - 26 Sep 2048
केतु	26 Sep 2048 - 23 Sep 2049
शुक्र	23 Sep 2049 - 24 Jul 2052
रवि	24 Jul 2052 - 31 May 2053
चन्द्र	31 May 2053 - 30 Oct 2054
मंगल	30 Oct 2054 - 28 Oct 2055
राहु	28 Oct 2055 - 16 May 2058
गुरु	16 May 2058 - 21 Aug 2060
शनि	21 Aug 2060 - 01 May 2063

केतु

	01 May 2063 - 01 May 2070
केतु	01 May 2063 - 27 Sep 2063
शुक्र	27 Sep 2063 - 26 Nov 2064
रवि	26 Nov 2064 - 03 Apr 2065
चन्द्र	03 Apr 2065 - 02 Nov 2065
मंगल	02 Nov 2065 - 31 Mar 2066
राहु	31 Mar 2066 - 19 Apr 2067
गुरु	19 Apr 2067 - 25 Mar 2068
शनि	25 Mar 2068 - 04 May 2069
बुध	04 May 2069 - 01 May 2070

शुक्र

	01 May 2070 - 01 May 2090
शुक्र	01 May 2070 - 30 Aug 2073
रवि	30 Aug 2073 - 31 Aug 2074
चन्द्र	31 Aug 2074 - 30 Apr 2076
मंगल	30 Apr 2076 - 30 Jun 2077
राहु	30 Jun 2077 - 30 Jun 2080
गुरु	30 Jun 2080 - 01 Mar 2083
शनि	01 Mar 2083 - 01 May 2086
बुध	01 May 2086 - 01 Mar 2089
केतु	01 Mar 2089 - 01 May 2090

रवि

	01 May 2090 - 30 Apr 2096
रवि	01 May 2090 - 18 Aug 2090
चन्द्र	18 Aug 2090 - 17 Feb 2091
मंगल	17 Feb 2091 - 25 Jun 2091
राहु	25 Jun 2091 - 19 May 2092
गुरु	19 May 2092 - 07 Mar 2093
शनि	07 Mar 2093 - 17 Feb 2094
बुध	17 Feb 2094 - 24 Dec 2094
केतु	24 Dec 2094 - 01 May 2095
शुक्र	01 May 2095 - 30 Apr 2096

चन्द्र

	30 Apr 2096 - 02 May 2106
चन्द्र	30 Apr 2096 - 01 Mar 2097
मंगल	01 Mar 2097 - 30 Sep 2097
राहु	30 Sep 2097 - 01 Apr 2099
गुरु	01 Apr 2099 - 01 Aug 2100
शनि	01 Aug 2100 - 02 Mar 2102
बुध	02 Mar 2102 - 02 Aug 2103
केतु	02 Aug 2103 - 02 Mar 2104
शुक्र	02 Mar 2104 - 31 Oct 2105
रवि	31 Oct 2105 - 02 May 2106

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

गुरु – शुक्र

	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
शुक्र	13 Mar 2019 - 22 Aug 2019
रवि	22 Aug 2019 - 10 Oct 2019
चन्द्र	10 Oct 2019 - 30 Dec 2019
मंगल	30 Dec 2019 - 25 Feb 2020
राहु	25 Feb 2020 - 20 Jul 2020
गुरु	20 Jul 2020 - 27 Nov 2020
शनि	27 Nov 2020 - 30 Apr 2021
बुध	30 Apr 2021 - 15 Sep 2021
केतु	15 Sep 2021 - 11 Nov 2021

गुरु – रवि

	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
रवि	11 Nov 2021 - 26 Nov 2021
चन्द्र	26 Nov 2021 - 20 Dec 2021
मंगल	20 Dec 2021 - 06 Jan 2022
राहु	06 Jan 2022 - 19 Feb 2022
गुरु	19 Feb 2022 - 30 Mar 2022
शनि	30 Mar 2022 - 15 May 2022
बुध	15 May 2022 - 25 Jun 2022
केतु	25 Jun 2022 - 13 Jul 2022
शुक्र	13 Jul 2022 - 30 Aug 2022

गुरु – चन्द्र

	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
चन्द्र	30 Aug 2022 - 10 Oct 2022
मंगल	10 Oct 2022 - 07 Nov 2022
राहु	07 Nov 2022 - 19 Jan 2023
गुरु	19 Jan 2023 - 25 Mar 2023
शनि	25 Mar 2023 - 10 Jun 2023
बुध	10 Jun 2023 - 18 Aug 2023
केतु	18 Aug 2023 - 16 Sep 2023
शुक्र	16 Sep 2023 - 06 Dec 2023
रवि	06 Dec 2023 - 30 Dec 2023

गुरु – मंगल

	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
मंगल	30 Dec 2023 - 19 Jan 2024
राहु	19 Jan 2024 - 10 Mar 2024
गुरु	10 Mar 2024 - 25 Apr 2024
शनि	25 Apr 2024 - 18 Jun 2024
बुध	18 Jun 2024 - 05 Aug 2024
केतु	05 Aug 2024 - 25 Aug 2024
शुक्र	25 Aug 2024 - 21 Oct 2024
रवि	21 Oct 2024 - 07 Nov 2024
चन्द्र	07 Nov 2024 - 05 Dec 2024

गुरु – राहु

	05 Dec 2024 - 01 May 2027
राहु	05 Dec 2024 - 16 Apr 2025
गुरु	16 Apr 2025 - 11 Aug 2025
शनि	11 Aug 2025 - 27 Dec 2025
बुध	27 Dec 2025 - 30 Apr 2026
केतु	30 Apr 2026 - 21 Jun 2026
शुक्र	21 Jun 2026 - 14 Nov 2026
रवि	14 Nov 2026 - 28 Dec 2026
चन्द्र	28 Dec 2026 - 11 Mar 2027
मंगल	11 Mar 2027 - 01 May 2027

शनि – शनि

	01 May 2027 - 04 May 2030
शनि	01 May 2027 - 22 Oct 2027
बुध	22 Oct 2027 - 25 Mar 2028
केतु	25 Mar 2028 - 28 May 2028
शुक्र	28 May 2028 - 28 Nov 2028
रवि	28 Nov 2028 - 22 Jan 2029
चन्द्र	22 Jan 2029 - 23 Apr 2029
मंगल	23 Apr 2029 - 26 Jun 2029
राहु	26 Jun 2029 - 08 Dec 2029
गुरु	08 Dec 2029 - 04 May 2030

शनि – बुध

	04 May 2030 - 11 Jan 2033
बुध	04 May 2030 - 20 Sep 2030
केतु	20 Sep 2030 - 16 Nov 2030
शुक्र	16 Nov 2030 - 29 Apr 2031
रवि	29 Apr 2031 - 17 Jun 2031
चन्द्र	17 Jun 2031 - 07 Sep 2031
मंगल	07 Sep 2031 - 03 Nov 2031
राहु	03 Nov 2031 - 30 Mar 2032
गुरु	30 Mar 2032 - 08 Aug 2032
शनि	08 Aug 2032 - 11 Jan 2033

शनि – केतु

	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
केतु	11 Jan 2033 - 03 Feb 2033
शुक्र	03 Feb 2033 - 12 Apr 2033
रवि	12 Apr 2033 - 02 May 2033
चन्द्र	02 May 2033 - 05 Jun 2033
मंगल	05 Jun 2033 - 28 Jun 2033
राहु	28 Jun 2033 - 28 Aug 2033
गुरु	28 Aug 2033 - 21 Oct 2033
शनि	21 Oct 2033 - 24 Dec 2033
बुध	24 Dec 2033 - 20 Feb 2034

शनि – शुक्र

	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
शुक्र	20 Feb 2034 - 31 Aug 2034
रवि	31 Aug 2034 - 28 Oct 2034
चन्द्र	28 Oct 2034 - 02 Feb 2035
मंगल	02 Feb 2035 - 10 Apr 2035
राहु	10 Apr 2035 - 30 Sep 2035
गुरु	30 Sep 2035 - 03 Mar 2036
शनि	03 Mar 2036 - 02 Sep 2036
बुध	02 Sep 2036 - 13 Feb 2037
केतु	13 Feb 2037 - 21 Apr 2037

इस साल आपका कैरियर

यह साल आपके लिये

दुनिया में हर व्यक्ति किसी न किसी कार्य को कर रहा है, और यह कार्य उसके लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि न सिर्फ यह उसके व परिवार के लिये जीवन–यापन का साधन है, वरन यह उसको समाज से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी है.

इसलिये यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यस्थल के बारे में सचेत रहे और मिलने वाले हर मौके का फायदा उठाये. साथ ही आने वाली कठिनाईयों से भी सावधान रहे ताकि वह अपने कैरियर में निरंतर आगे बढ़ता रहे.

इस रिपोर्ट में आपको अपने आने वाले 12 महीनों का ज्योतिषीय विश्लेषण मिलेगा जो आपको आने वाले मौकों और खतरों की जानकारी देगा. तिथि के क्रम में दिये आंकलन से आप जान पायेंगे कि कब क्या हो सकता है.

यह रिपोर्ट ज्योतिष के दो स्तंभ, दशा व गोचर पर आधारित है. दशा में महादशा, अंतरदशा और प्रत्यंतर दशा का विश्लेषण कर सूक्ष्म प्रभाव जाना जा सकता है. वहीं ग्रहों के गोचर के द्वारा यह समझा जा सकता है कि कब कौन सा ग्रह आपके कैरियर पर क्या प्रभाव डालेगा.

साथ ही ग्रहों की दशाओं के लिए आसान उपाय भी दिये गये हैं जिन्हें करके आप ग्रहों को अपने अनुकूल कर सकते हैं.उतार–चढ़ाव आएंगे उनका विवरण दिया गया है.

ग्रहों की दशा का आपके ऊपर प्रभाव

महादशा : गुरु

01 May 2011 - 01 May 2027

आपकी कुण्डली में गुरु कमजोर स्थिति में है, जिसके फलस्वरुप गुरु की महादशा में आजीविका के क्षेत्र में मिलने वाले शुभफलों में कमी महसूस कर सकते हैं.

इस दौरान व्यवसाय में समझदारी से कार्य नहीं करेंगे तो आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है. धन का निवेश आपको सोच–समझ कर करना चाहिए तथा निवेश से पहले पेपरों की अच्छी तरह जांच कर लेनी चाहिए.

अपने व्यवसाय में नई योजनाओं पर कार्य करने की सोच रहें हैं तो, आपको इससे बचना चाहिए तथा जो योजनाएं पहले बनी हैं और जिन पर पहले से काम चल रहा है उन्हें पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. योजनाएं को बीच में छोड़ देना आपके लिए नुकसान दायक हो सकता है.

अन्तर दशा : गुरु–शुक्र

13 March 2019 - 11 November 2021

शुक्र की अन्तर्दशा के कारण इस समय आप अपने शत्रुओं पर विजय हासिल करने में सफल होंगे. स्त्रियों के सौन्दर्य को बढ़ाने वाली वस्तुओं से जुड़ा काम करने से लाभ मिलेगा. कार्य क्षेत्र में स्त्रियों के सहयोग से आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है.

इस दौरान आप उत्साह व जोश से अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे. अच्छे परिवेश में काम करने का मौका मिलेगा. वाहन सुख मिलने की भी संभावना है. मित्रों से प्रेरणा मिलेगी. आपकी ख्याति बढ़ेगी तथा आप अपने व्यक्तिव को निखारने के लिए प्रयासरत रहेंगे. यह समय वैवाहिक जीवन के पक्ष से भी अच्छा रहेगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–मंगल

30 December 2019 - 25 February 2020

उपरोक्त समय में आपके व्यवसायिक जीवन में सुधार आयेगा और स्थिति पहले से बेहतर होगी.

इस दौरान आपको अपने मित्रों से मेल–मिलाप का अवसर मिलेगा. आप अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अपनी कार्यकुशलता को बढ़ायेंगे जिससे आपके प्रतियोगी चाहकर भी आपको परेशान नहीं कर पायेंगे. इस समय धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे. भौतिक सुख– सुविधाओं में इजाफा हो सकता है.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–राहु

25 February 2020 - 20 July 2020

दिये गये समय में आप सोच–समझकर दूरदर्शिता के साथ कार्य करेंगे इससे मान–सम्मान में वृद्धि होगी. नीति निर्माण के कार्यों में आपका मन लगेगा.

इस समय आप जोश और उत्साह से कार्य पर ध्यान देंगे इससे कार्य बोझिल नहीं लगेगा. कार्य के उद्देश्य से आप यात्रा कर सकते हैं. आपको सम्मान मिलेगा. नये उत्तरदायित्व मिल सकते हैं. घर से बाहर की स्त्रियों से लाभ मिल सकता है. वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–गुरु

20 July 2020 - 27 November 2020

दिये गये समय में शिक्षा में कमी अथवा विषयों की अपूर्ण जानकारी के कारण पदोन्नति में बाधा आने की गुंजाइश रहेगी. योग्यता का प्रयोग समझदारी पूर्वक करना आपके लिए उचित रहेगा.

इस समयावधि में आपको अपने व्ययों पर नियन्त्रण रखना चाहिए तथा कार्यक्षेत्र में लोगों को सलाह देने से बचना चाहिए. बढ़े हुए दायित्वों के कारण आपके पास समय की कमी हो सकती है जिससे मित्रों के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–शनि

27 November 2020 - 30 April 2021

शनि की प्रत्यंतर दशा का यह समय आपको कार्यों में व्यस्त रहने की प्रेरणा देगा. आप अपना काम लगन पूर्वक करेंगे. इससे आपके कार्य की सराहना होगी तथा आपको मान–सम्मान मिलेगा. काम के प्रति समर्पण की भावना से लोगों के बीच आपका यश फैलेगा. आपको अपनी योजनाओं को

पूरा करने में प्रतियोगियों की बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा. मुश्किल कामों को भी आप सरलता से पूरा कर पाएंगे.

ज्योतिष के द्वारा उपाय

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय बताए गये हैं. इन उपायों के द्वारा ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है और उनके शुभ फलों को बढ़ाया जा सकता है.

आप अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी ज्योतिषीय उपाय को अपना सकते हैं. इससे आजीविका में आने वाली बाधाएं दूर होंगी. कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा अपनी बुद्धि से कैरियर में आने वाली दिक्कतों को दूर कर पाएंगे. भाग्य में जो सुख और लाभ मिलना लिखा है उसे पाने में आसानी होगी.

रत्नों द्वारा उपाय

गुरु का रत्न पुखराज धारण करना इस समय आपके लिए श्रेयष्कर होगा. इससे आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी. आपके मन में और ज्ञान अर्जित करने की लालसा बढ़ सकती है. कैरियर में आने वाली रूकावटों और परेशानियों का समाधान निकाल पाएंगे.

दान के द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान आपके लिए लाभप्रद रहेगा. पुखराज, कांसा, चने की दाल, बेसन, खांड, पीला कपड़ा, पीला पुष्प, हल्दी, घोड़ा, घी, शक्कर, बूंदी, बेसन के लड्डू गुरू की वस्तुएं है. बृहस्पतिवार के दिन सूर्योदय के दो घंटे के भीतर अपने सामर्थ्य के अनुसार इनका दान करना चाहिए.

मंत्रों द्वारा उपाय

इस अविध में गुरु के मंत्र "ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" का 19000 बार जप गुरू के शुभ प्रभाव को बढ़ाएगा. मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे. निर्धारित समय में जप पूरा कर लेने से जप का पूर्ण फल मिलता है अन्यथा जप निष्फल हो जाता है.

जप पूर्ण होने के बाद हवन करना चाहिए. हवन हेतु पीपल की लकड़ियों का प्रयोग करें. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें.

कार्य भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

दशम घर में सूर्य का गोचर

16 June 2020 - 17 Jul 2020

दशम भाव पर सूर्य का गोचर आपकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा. आप अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह ब खूबी कर पाएंगे.

सूर्य का यह गोचर आपको अपने उच्चाधिकारियों के स्नेह का पात्र बनाएगा. आपको नये दायित्व तथा आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा. आप अपनी आय से धन बचा सकते हैं. लोगों से मान–सम्मान प्राप्त

होगा. बढ़ती जिम्मेवारियां की वजह से आप थोड़े क्रोधी हो सकते हैं.

दशम घर में बुध का गोचर

25 May 2020 - 03 Aug 2020

आपकी कुण्डली के दशम भाव पर बुध का गोचर हो रहा है. दशम भाव से आजीविका का विचार किया जाता है, इसलिये आपकी आजीविका प्रभावित होगी तथा कार्यक्षेत्र में आपको संचार, व्यापारिक सौदे व समझौतों से लाभ मिलेगा. कुछ शुभ सूचनाएं भी मिल सकती हैं.

बुध आपको व्यवहारिक व बुद्धिमान बनायेगा और इसका गोचर आपकी आजीविका को उन्नति के रास्ते पर ले जायेगा. आपको अपने व्यवसाय की गुप्त नीतियों को छुपाकर रखना चाहिए. आपको मनोरंजन के साधनों में समय बिताना रुचिकर लग सकता है. वाणी के प्रभाव से लोगों के बीच आपकी छवि निखर सकती है.

दशम घर में शुक्र का गोचर

02 August 2020 - 02 Sep 2020

इस अवधि में शुक्र का गोचर दशम भाव में हो रहा है जिससे संचार के साधनों से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं. महिला सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे.

उच्चाधिकारियों व सहकर्मियों से मदद मिलेगी इससे आपका फायदा होगा तथा मान–सम्मान बढ़ेगा. विलासिता से जुड़ी सामग्री क्रय कर सकते हैं. मनोरंजन के साधनों में वृद्धि होगी.

नये लोगों से दोस्ती होगी. आपकी कलात्मक क्षमताएं उभर कर सामने आएगी. घूमने–फिरने का शौक बढ़ेगा और आप खुश रहेंगे.

दशम घर में चन्द्र का गोचर

10 January 2020 - 12 Jan 2020
06 February 2020 - 08 Feb 2020
04 March 2020 - 07 Mar 2020
01 April 2020 - 03 Apr 2020
28 April 2020 - 30 Apr 2020
25 May 2020 - 28 May 2020
22 June 2020 - 24 Jun 2020
19 July 2020 - 21 Jul 2020
15 August 2020 - 18 Aug 2020
12 September 2020 - 14 Sep 2020
09 October 2020 - 11 Oct 2020
05 November 2020 - 08 Nov 2020
02 December 2020 - 05 Dec 2020
30 December 2020 - 01 Jan 2021

चन्द्र का गोचर दशवें घर पर होना आपकी आजीविका को प्रभावित करेगा. संभावना है कि, इस दौरान लाभ के अवसर मिल सकते हैं जिससे धन की कमी दूर होगी. कार्यों को करते समय आपको अपना मन शांत रखना चाहिए और धैर्य से काम लेना चाहिए इससे अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी.

कार्यों में आपको मित्रों एवं सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. सहकर्मियों एवं सहयोगियों से अच्छे सम्बन्ध का आपको लाभ भी मिलता रहेगा. इसलिए, इनसे सम्बन्ध खराब नहीं करना चाहिए. कार्य में आने वाली सामान्य बाधाएं दूर होंगी जिससे चिन्ताओं में कुछ कमी आयेगी. सभी के साथ मिलकर काम करने के गुणों के कारण आपकी सराहना होगी.

दशम घर में राहु का गोचर

08 March 2019 - 24 Sep 2020

दशम भाव में राहु का गोचर दिये गये समय में आपको चिन्तनशील बनाएगा. कालात्मक कार्यों में भी आपकी रूचि को जगाएगा. गैर–पारम्परिक कला के क्षेत्रों को अपने काम से जोड़ेगे तो आपको सफलता मिलेगी.

अपने लक्ष्य के प्रति आपका ध्यान केन्द्रित रहेगा. कार्य के विषय में जो भी सोचेंगे उसे पूरा करने के लिए पूरी शक्ति और क्षमता से प्रयास करेंगे इससे कार्य में सफल होंगे. इस अवधि में आपकी नेतृत्व क्षमता उभरेगी तथा प्रबन्धन की सराहना की जाएगी.

आपको शक्ति का उपयोग नेक व अच्छे कार्यों में करना चाहिए तथा अनावश्यक व्ययों को कम करना चाहिए.

कार्य भाव के स्वामी का कार्य भाव में गोचर

25 May 2020 - 03 Aug 2020

इस अवधि में दशम भाव का स्वामी बुध दशम भाव से गोचर कर रहा है. यह गोचर आपकी व्यवसायिक योग्यता को बढ़ाएगा. आप क्रय–विक्रय के कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. अपनी व्यवहार कुशल वाणी से व्यापार में तरक्की करेंगे. लेखन में आपकी रूचि है तो अच्छे लेखक के रूप में उभर कर सामने आ सकते हैं.

इस गोचर के प्रभाव से संचार माध्यम तथा मीडिया के क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में आप अपनी बौद्धिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे जिससे आपको लाभ मिलेगा. आपकी रूचि पर्यटन में हो सकती है, आप सैर–सपाटे पर जाने की सोच सकते हैं. यात्रा लाभप्रद रहेगी.

इस साल आपका कैरियर

यह साल आपके लिये

दुनिया में हर व्यक्ति किसी न किसी कार्य को कर रहा है, और यह कार्य उसके लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि न सिर्फ यह उसके व परिवार के लिये जीवन–यापन का साधन है, वरन यह उसको समाज से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी है.

इसलिये यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यस्थल के बारे में सचेत रहे और मिलने वाले हर मौके का फायदा उठाये. साथ ही आने वाली कठिनाईयों से भी सावधान रहे ताकि वह अपने कैरियर में निरंतर आगे बढ़ता रहे.

इस रिपोर्ट में आपको अपने आने वाले 12 महीनों का ज्योतिषीय विश्लेषण मिलेगा जो आपको आने वाले मौकों और खतरों की जानकारी देगा. तिथि के क्रम में दिये आंकलन से आप जान पायेंगे कि कब क्या हो सकता है.

यह रिपोर्ट ज्योतिष के दो स्तंभ, दशा व गोचर पर आधारित है. दशा में महादशा, अंतरदशा और प्रत्यंतर दशा का विश्लेषण कर सूक्ष्म प्रभाव जाना जा सकता है. वहीं ग्रहों के गोचर के द्वारा यह समझा जा सकता है कि कब कौन सा ग्रह आपके कैरियर पर क्या प्रभाव डालेगा.

साथ ही ग्रहों की दशाओं के लिए आसान उपाय भी दिये गये हैं जिन्हें करके आप ग्रहों को अपने अनुकूल कर सकते हैं.उतार–चढ़ाव आएंगे उनका विवरण दिया गया है.

ग्रहों की दशा का आपके ऊपर प्रभाव

महादशा : गुरु

01 May 2011 - 01 May 2027

आपकी कुण्डली में गुरु कमजोर स्थिति में है, जिसके फलस्वरुप गुरु की महादशा में आजीविका के क्षेत्र में मिलने वाले शुभफलों में कमी महसूस कर सकते हैं.

इस दौरान व्यवसाय में समझदारी से कार्य नहीं करेंगे तो आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है. धन का निवेश आपको सोच–समझ कर करना चाहिए तथा निवेश से पहले पेपरों की अच्छी तरह जांच कर लेनी चाहिए.

अपने व्यवसाय में नई योजनाओं पर कार्य करने की सोच रहें हैं तो, आपको इससे बचना चाहिए तथा जो योजनाएं पहले बनी हैं और जिन पर पहले से काम चल रहा है उन्हें पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. योजनाएं को बीच में छोड़ देना आपके लिए नुकसान दायक हो सकता है.

अन्तर दशा : गुरु–शुक्र

13 March 2019 - 11 November 2021

शुक्र की अन्तर्दशा के कारण इस समय आप अपने शत्रुओं पर विजय हासिल करने में सफल होंगे. स्त्रियों के सौन्दर्य को बढ़ाने वाली वस्तुओं से जुड़ा काम करने से लाभ मिलेगा. कार्य क्षेत्र में स्त्रियों के सहयोग से आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है.

इस दौरान आप उत्साह व जोश से अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे. अच्छे परिवेश में काम करने का मौका मिलेगा. वाहन सुख मिलने की भी संभावना है. मित्रों से प्रेरणा मिलेगी. आपकी ख्याति बढ़ेगी तथा आप अपने व्यक्तिव को निखारने के लिए प्रयासरत रहेंगे. यह समय वैवाहिक जीवन के पक्ष से भी अच्छा रहेगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–शनि

27 November 2020 - 30 April 2021

शनि की प्रत्यंतर दशा का यह समय आपको कार्यों में व्यस्त रहने की प्रेरणा देगा. आप अपना काम लगन पूर्वक करेंगे. इससे आपके कार्य की सराहना होगी तथा आपको मान–सम्मान मिलेगा. काम के प्रति समर्पण की भावना से लोगों के बीच आपका यश फैलेगा. आपको अपनी योजनाओं को पूरा करने में प्रतियोगियों की बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा. मुश्किल कामों को भी आप सरलता से पूरा कर पाएंगे.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–बुध

30 April 2021 - 15 September 2021

इस अवधि में कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है. आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी. आप चतुराई के बल पर अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे.

कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है. कैरियर में निखार लाने के लिए आप शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तो प्रत्यंतर दशा के शुभ प्रभाव सेा आपकी शिक्षा का स्तर बढ़ेगा. समाज एवं कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. खान–पान उत्तम रहेगा और वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–शुक्र–केतु

15 September 2021 - 11 November 2021

केतु की प्रत्यंतर दशा की इस अवधि में आपके सहयोगी आपसे आगे निकलने में कामयाब हो सकते हैं. इनकी सफलता आपकी चिन्ता का कारण बन सकती है. धन की कमी के कारण आपका काम प्रभावित हो सकता है. आपको यात्रा भी करनी पड़ सकती है.

कार्य क्षेत्र में चोरी अथवा लूट की घटना हो सकती है. वाहन चलाते समय सावधान रहना चाहिए लापरवाही नुकसानदेय हो सकती है. कठिनाईयों पर नियंत्रण रखने के लिए साहस और कार्यकुशलता का परिचय देना होगा.

अन्तर दशा : गुरु–रवि

11 November 2021 - 30 August 2022

सूर्य की अन्तर्दशा में अधिक से अधिक मेहनत करके शुभ समय का लाभ उठाने का प्रयास करना चाहिए. सरकारी क्षेत्र के सहयोग से कार्य करना फायदेमंद रहेगा. अपने से ऊँचे पद पर बैठे लोगों को आदर–सम्मान देंगे.

इस दौरान आपको घूमने–फिरने के अवसर भी मिल सकते हैं. आप अपने मित्रों व सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना पसन्द करेंगे. शिक्षा प्राप्ति के लिए भी यह सुनहला समय है अतः बेहतर कैरियर के लिए पढ़ाई करना भी अच्छा रहेगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–रवि

11 November 2021 - 26 November 2021

इस अवधि में उच्चाधिकारियों से प्रोत्साहन मिलेगा. आपके अधिकारों में बढ़ोतरी हो सकती है तथा भौतिक सुख–सुविधाएं भी बढ़ेंगी. कार्य क्षेत्र में अधीनस्थों के साथ मधुर सम्बन्ध बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए. यह आपके लिए अच्छा रहेगा

आपके शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे तो, उनकी योजनाओं को विफल करके उन पर विजय पाने में सफल हो सकते हैं. धर्म की ओर आपका रूझान बढ़ेगा. धार्मिक क्रियाओं में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–चन्द्र

26 November 2021 - 20 December 2021

इस अविध में आपका मन काम में कम लगेगा. आप अपने अंदर साहस में कमी महसूस कर सकते हैं. भूमि से जुड़े विवादों में पड़ने से बचना चाहिए अन्यथा आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं.

काम के सिलसिले में आप लम्बी यात्रा कर सकते हैं. उन्नति पाने के लिए इस वक्त आपको मानसिक रूप से सबल और मजबूत बने रहना चाहिए.

अपने मित्रों व छोटे भाईयों से ताल–मेल बनाये रखें अन्यथा उनकी नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है. आर्थिक परेशानियों की भी आशंका है.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–मंगल

20 December 2021 - 06 January 2022

उपरोक्त समय में आपके व्यवसायिक जीवन में सुधार आयेगा और स्थिति पहले से बेहतर होगी.

इस दौरान आपको अपने मित्रों से मेल–मिलाप का अवसर मिलेगा. आप अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अपनी कार्यकुशलता को बढ़ायेंगे जिससे आपके प्रतियोगी चाहकर भी आपको परेशान नहीं कर पायेंगे. इस समय धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे. भौतिक सुख– सुविधाओं में इजाफा हो सकता है.

ज्योतिष के द्वारा उपाय

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय बताए गये हैं. इन उपायों के द्वारा ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है और उनके शुभ फलों को बढ़ाया जा सकता है.

आप अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी ज्योतिषीय उपाय को अपना सकते हैं. इससे आजीविका में आने वाली बाधाएं दूर होंगी. कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा अपनी बुद्धि से कैरियर में आने वाली दिक्कतों को दूर कर पाएंगे. भाग्य में जो सुख और लाभ मिलना लिखा है उसे पाने में आसानी होगी.

रत्नों द्वारा उपाय

गुरु का रत्न पुखराज धारण करना इस समय आपके लिए श्रेयष्कर होगा. इससे आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी. आपके मन में और ज्ञान अर्जित करने की लालसा बढ़ सकती है. कैरियर में आने वाली रूकावटों और परेशानियों का समाधान निकाल पाएंगे.

दान के द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान आपके लिए लाभप्रद रहेगा. पुखराज, कांसा, चने की दाल, बेसन, खांड, पीला कपड़ा, पीला पुष्प, हल्दी, घोड़ा, घी, शक्कर, बूंदी, बेसन के लड्डू गुरू की वस्तुएं है. बृहस्पतिवार के दिन सूर्योदय के दो घंटे के भीतर अपने सामर्थ्य के अनुसार इनका दान करना चाहिए.

मंत्रों द्वारा उपाय

इस अविध में गुरु के मंत्र "ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" का 19000 बार जप गुरू के शुभ प्रभाव को बढ़ाएगा. मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे. निर्धारित समय में जप पूरा कर लेने से जप का पूर्ण फल मिलता है अन्यथा जप निष्फल हो जाता है.

जप पूर्ण होने के बाद हवन करना चाहिए. हवन हेतु पीपल की लकड़ियों का प्रयोग करें. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें.

कार्य भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

दशम घर में सूर्य का गोचर

16 June 2021 - 17 Jul 2021

दशम भाव पर सूर्य का गोचर आपकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा. आप अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह ब खूबी कर पाएंगे.

सूर्य का यह गोचर आपको अपने उच्चाधिकारियों के स्नेह का पात्र बनाएगा. आपको नये दायित्व तथा आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा. आप अपनी आय से धन बचा सकते हैं. लोगों से मान–सम्मान प्राप्त होगा. बढ़ती जिम्मेवारियां की वजह से आप थोड़े क्रोधी हो सकते हैं.

दशम घर में बुध का गोचर

27 May 2021 - 04 Jun 2021

08 July 2021 - 26 Jul 2021

आपकी कुण्डली के दशम भाव पर बुध का गोचर हो रहा है. दशम भाव से आजीविका का विचार किया जाता है, इसलिये आपकी आजीविका प्रभावित होगी तथा कार्यक्षेत्र में आपको संचार, व्यापारिक सौदे व समझौतों से लाभ मिलेगा. कुछ शुभ सूचनाएं भी मिल सकती हैं.

बुध आपको व्यवहारिक व बुद्धिमान बनायेगा और इसका गोचर आपकी आजीविका को उन्नति के रास्ते पर ले जायेगा. आपको अपने व्यवसाय की गुप्त नीतियों को छुपाकर रखना चाहिए. आपको मनोरंजन के साधनों में समय बिताना रुचिकर लग सकता है. वाणी के प्रभाव से लोगों के बीच आपकी छवि निखर सकती है.

दशम घर में शुक्र का गोचर

30 May 2021 - 23 Jun 2021

इस अवधि में शुक्र का गोचर दशम भाव में हो रहा है जिससे संचार के साधनों से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं. महिला सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे.

उच्चाधिकारियों व सहकर्मियों से मदद मिलेगी इससे आपका फायदा होगा तथा मान–सम्मान बढ़ेगा. विलासिता से जुड़ी सामग्री क्रय कर सकते हैं. मनोरंजन के साधनों में वृद्धि होगी.

नये लोगों से दोस्ती होगी. आपकी कलात्मक क्षमताएं उभर कर सामने आएगी. घूमने–फिरने का शौक बढ़ेगा और आप खुश रहेंगे.

दशम घर में मंगल का गोचर

15 April 2021 - 03 Jun 2021

आपकी कुण्डली में मंगल का गोचर दशम भाव पर हो रहा है. इससे आप पहले से अधिक मेहनत करेंगे और कठिन कामों को भी पूरा करने के लिए प्रयासरत रहेंगे. आपकी यही क्रयाशीलता कार्यक्षेत्र में आपको सफलता दिलाएगी.

मंगल आपको ख्वाबों से निकलकर यथार्थ स्थिति के अनुसार काम करने की योग्यता देगा. आप पहले से कहीं अधिक व्यवहारिक बनेंगे. आजीविका में अपनी स्थिति का आंकलन करके आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे.

साहस, उत्साह, पराक्रम और आशावादी नजरिये के बल पर अपने प्रतियोगियों से आगे निकलने में कामयाब हो सकते हैं. शुभ फलों की पूर्ण प्राप्ति के लिए आलस्य का त्याग करना चाहिए.

दशम घर में चन्द्र का गोचर

30 December 2020 - 01 Jan 2021
26 January 2021 - 28 Jan 2021
22 February 2021 - 25 Feb 2021

22 March 2021 - 24 Mar 2021
18 April 2021 - 21 Apr 2021
15 May 2021 - 18 May 2021
12 June 2021 - 14 Jun 2021
09 July 2021 - 11 Jul 2021
05 August 2021 - 08 Aug 2021
01 September 2021 - 04 Sep 2021
29 September 2021 - 01 Oct 2021
26 October 2021 - 29 Oct 2021
22 November 2021 - 25 Nov 2021
20 December 2021 - 22 Dec 2021

चन्द्र का गोचर दशवें घर पर होना आपकी आजीविका को प्रभावित करेगा. संभावना है कि, इस दौरान लाभ के अवसर मिल सकते हैं जिससे धन की कमी दूर होगी. कार्यों को करते समय आपको अपना मन शांत रखना चाहिए और धैर्य से काम लेना चाहिए इससे अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी.

कार्यों में आपको मित्रों एवं सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. सहकर्मियों एवं सहयोगियों से अच्छे सम्बन्ध का आपको लाभ भी मिलता रहेगा. इसलिए, इनसे सम्बन्ध खराब नहीं करना चाहिए. कार्य में आने वाली सामान्य बाधाएं दूर होंगी जिससे चिन्ताओं में कुछ कमी आयेगी. सभी के साथ मिलकर काम करने के गुणों के कारण आपकी सराहना होगी.

कार्य भाव के स्वामी का कार्य भाव में गोचर

27 May 2021 - 04 Jun 2021
08 July 2021 - 26 Jul 2021

इस अवधि में दशम भाव का स्वामी बुध दशम भाव से गोचर कर रहा है. यह गोचर आपकी व्यवसायिक योग्यता को बढ़ाएगा. आप क्रय–विक्रय के कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. अपनी व्यवहार कुशल वाणी से व्यापार में तरक्की करेंगे. लेखन में आपकी रूचि है तो अच्छे लेखक के रूप में उभर कर सामने आ सकते हैं.

इस गोचर के प्रभाव से संचार माध्यम तथा मीडिया के क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में आप अपनी बौद्धिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे जिससे आपको लाभ मिलेगा. आपकी रूचि पर्यटन में हो सकती है, आप सैर–सपाटे पर जाने की सोच सकते हैं. यात्रा लाभप्रद रहेगी.

इस साल आपका कैरियर

यह साल आपके लिये

दुनिया में हर व्यक्ति किसी न किसी कार्य को कर रहा है, और यह कार्य उसके लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि न सिर्फ यह उसके व परिवार के लिये जीवन–यापन का साधन है, वरन यह उसको समाज से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी है.

इसलिये यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यस्थल के बारे में सचेत रहे और मिलने वाले हर मौके का फायदा उठाये. साथ ही आने वाली कठिनाईयों से भी सावधान रहे ताकि वह अपने कैरियर में निरंतर आगे बढ़ता रहे.

इस रिपोर्ट में आपको अपने आने वाले 12 महीनों का ज्योतिषीय विश्लेषण मिलेगा जो आपको आने वाले मौकों और खतरों की जानकारी देगा. तिथि के क्रम में दिये आंकलन से आप जान पायेंगे कि कब क्या हो सकता है.

यह रिपोर्ट ज्योतिष के दो स्तंभ, दशा व गोचर पर आधारित है. दशा में महादशा, अंतरदशा और प्रत्यंतर दशा का विश्लेषण कर सूक्ष्म प्रभाव जाना जा सकता है. वहीं ग्रहों के गोचर के द्वारा यह समझा जा सकता है कि कब कौन सा ग्रह आपके कैरियर पर क्या प्रभाव डालेगा.

साथ ही ग्रहों की दशाओं के लिए आसान उपाय भी दिये गये हैं जिन्हें करके आप ग्रहों को अपने अनुकूल कर सकते हैं.उतार–चढ़ाव आएंगे उनका विवरण दिया गया है.

ग्रहों की दशा का आपके ऊपर प्रभाव

महादशा : गुरु

01 May 2011 - 01 May 2027

आपकी कुण्डली में गुरु कमजोर स्थिति में है, जिसके फलस्वरुप गुरु की महादशा में आजीविका के क्षेत्र में मिलने वाले शुभफलों में कमी महसूस कर सकते हैं.

इस दौरान व्यवसाय में समझदारी से कार्य नहीं करेंगे तो आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है. धन का निवेश आपको सोच–समझ कर करना चाहिए तथा निवेश से पहले पेपरों की अच्छी तरह जांच कर लेनी चाहिए.

अपने व्यवसाय में नई योजनाओं पर कार्य करने की सोच रहें हैं तो, आपको इससे बचना चाहिए तथा जो योजनाएं पहले बनी हैं और जिन पर पहले से काम चल रहा है उन्हें पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. योजनाएं को बीच में छोड़ देना आपके लिए नुकसान दायक हो सकता है.

अन्तर दशा : गुरु–रवि

11 November 2021 - 30 August 2022

सूर्य की अन्तर्दशा में अधिक से अधिक मेहनत करके शुभ समय का लाभ उठाने का प्रयास करना चाहिए. सरकारी क्षेत्र के सहयोग से कार्य करना फायदेमंद रहेगा. अपने से ऊँचे पद पर बैठे लोगों को आदर–सम्मान देंगे.

इस दौरान आपको घूमने–फिरने के अवसर भी मिल सकते हैं. आप अपने मित्रों व सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना पसन्द करेंगे. शिक्षा प्राप्ति के लिए भी यह सुनहला समय है अतः बेहतर कैरियर के लिए पढ़ाई करना भी अच्छा रहेगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–मंगल

20 December 2021 - 06 January 2022

उपरोक्त समय में आपके व्यवसायिक जीवन में सुधार आयेगा और स्थिति पहले से बेहतर होगी.

इस दौरान आपको अपने मित्रों से मेल–मिलाप का अवसर मिलेगा. आप अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अपनी कार्यकुशलता को बढ़ायेंगे जिससे आपके प्रतियोगी चाहकर भी आपको परेशान नहीं कर पायेंगे. इस समय धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे. भौतिक सुख– सुविधाओं में इजाफा हो सकता है.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–राहु

06 January 2022 - 19 February 2022

दिये गये समय में आप सोच–समझकर दूरदर्शिता के साथ कार्य करेंगे इससे मान–सम्मान में वृद्धि होगी. नीति निर्माण के कार्यों में आपका मन लगेगा.

इस समय आप जोश और उत्साह से कार्य पर ध्यान देंगे इससे कार्य बोझिल नहीं लगेगा. कार्य के उद्देश्य से आप यात्रा कर सकते हैं. आपको सम्मान मिलेगा. नये उत्तरदायित्व मिल सकते हैं. घर से बाहर की स्त्रियों से लाभ मिल सकता है. वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–गुरु

19 February 2022 - 30 March 2022

दिये गये समय में शिक्षा में कमी अथवा विषयों की अपूर्ण जानकारी के कारण पदोन्नति में बाधा आने की गुंजाइश रहेगी. योग्यता का प्रयोग समझदारी पूर्वक करना आपके लिए उचित रहेगा.

इस समयावधि में आपको अपने व्ययों पर नियन्त्रण रखना चाहिए तथा कार्यक्षेत्र में लोगों को सलाह देने से बचना चाहिए. बढ़े हुए दायित्वों के कारण आपके पास समय की कमी हो सकती है जिससे मित्रों के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–शनि

30 March 2022 - 15 May 2022

शनि की प्रत्यंतर दशा का यह समय आपको कार्यों में व्यस्त रहने की प्रेरणा देगा. आप अपना काम लगन पूर्वक करेंगे. इससे आपके कार्य की सराहना होगी तथा आपको मान–सम्मान मिलेगा. काम के प्रति समर्पण की भावना से लोगों के बीच आपका यश फैलेगा. आपको अपनी योजनाओं को

पूरा करने में प्रतियोगियों की बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा. मुश्किल कामों को भी आप सरलता से पूरा कर पाएंगे.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–बुध

15 May 2022 - 25 June 2022

इस अवधि में कार्यक्षेत्र का विस्तार हो सकता है. आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी. आप चतुराई के बल पर अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे.

कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है. कैरियर में निखार लाने के लिए आप शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तो प्रत्यंतर दशा के शुभ प्रभाव सेा आपकी शिक्षा का स्तर बढ़ेगा. समाज एवं कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. खान–पान उत्तम रहेगा और वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–केतु

25 June 2022 - 13 July 2022

केतु की प्रत्यंतर दशा की इस अवधि में आपके सहयोगी आपसे आगे निकलने में कामयाब हो सकते हैं. इनकी सफलता आपकी चिन्ता का कारण बन सकती है. धन की कमी के कारण आपका काम प्रभावित हो सकता है. आपको यात्रा भी करनी पड़ सकती है.

कार्य क्षेत्र में चोरी अथवा लूट की घटना हो सकती है. वाहन चलाते समय सावधान रहना चाहिए लापरवाही नुकसानदेय हो सकती है. कठिनाईयों पर नियंत्रण रखने के लिए साहस और कार्यकुशलता का परिचय देना होगा.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–रवि–शुक्र

13 July 2022 - 30 August 2022

इस अवधि में आजीविका के काम से यात्रा करनी पड़ सकती है. व्यापारिक कामों में सफलता मिल सकती है.

क्रय–विक्रय के कार्यों से लाभ मिलने की उम्मीद रहेगी. अपनी मेहनत से धन में वृद्धि करने में आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपकी सफलता में स्त्रियों का सहयोग महत्वपूर्ण रहेगा. शुक्र आपकी बौद्धिक क्षमता और ज्ञान को बढ़ाएगा. कार्य क्षेत्र में आपको नये दायित्व मिलने की उम्मीद है.

अन्तर दशा : गुरु–चन्द्र

30 August 2022 - 30 December 2023

चन्द्र की अन्तर्दशा में बुद्धिमानी से काम लेना चाहिए तथा ऐसा कोई भी काम नहीं करना चाहिए जिससे लोगों का अहित हो अन्यथा धन की हानि हो सकती है.

इस समय आपको शत्रुओं से भयभीत होने की बजाय हिम्मत के साथ उनका मुकाबला करना चाहिए अन्यथा वे आपको हानि पहुंचा सकते हैं. सेहत के प्रति सचेत रहना चाहिए. माता की सेहत का भी ख्याल रखें.

छोटे भाईयों से स्नेहपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखना चाहिए और रिश्तों में कड़वाहट पैदा करने वाली बातों से बचना चाहिए. मानसिक परेशानियों को कम करने हेतु खुश रहने की कोशिश करें.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–चन्द्र–चन्द्र

30 August 2022 - 10 October 2022

इस अविध में आपका मन काम में कम लगेगा. आप अपने अंदर साहस में कमी महसूस कर सकते हैं. भूमि से जुड़े विवादों में पड़ने से बचना चाहिए अन्यथा आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं.

काम के सिलसिले में आप लम्बी यात्रा कर सकते हैं. उन्नति पाने के लिए इस वक्त आपको मानसिक रूप से सबल और मजबूत बने रहना चाहिए.

अपने मित्रों व छोटे भाईयों से ताल–मेल बनाये रखें अन्यथा उनकी नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है. आर्थिक परेशानियों की भी आशंका है.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–चन्द्र–मंगल

10 October 2022 - 07 November 2022

उपरोक्त समय में आपके व्यवसायिक जीवन में सुधार आयेगा और स्थिति पहले से बेहतर होगी.

इस दौरान आपको अपने मित्रों से मेल–मिलाप का अवसर मिलेगा. आप अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अपनी कार्यकुशलता को बढ़ायेंगे जिससे आपके प्रतियोगी चाहकर भी आपको परेशान नहीं कर पायेंगे. इस समय धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे. भौतिक सुख– सुविधाओं में इजाफा हो सकता है.

प्रत्यन्तर दशा : गुरु–चन्द्र–राहु

07 November 2022 - 19 January 2023

दिये गये समय में आप सोच–समझकर दूरदर्शिता के साथ कार्य करेंगे इससे मान–सम्मान में वृद्धि होगी. नीति निर्माण के कार्यों में आपका मन लगेगा.

इस समय आप जोश और उत्साह से कार्य पर ध्यान देंगे इससे कार्य बोझिल नहीं लगेगा. कार्य के उद्देश्य से आप यात्रा कर सकते हैं. आपको सम्मान मिलेगा. नये उत्तरदायित्व मिल सकते हैं. घर से बाहर की स्त्रियों से लाभ मिल सकता है. वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं.

ज्योतिष के द्वारा उपाय

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय बताए गये हैं. इन उपायों के द्वारा ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है और उनके शुभ फलों को बढ़ाया जा सकता है.

आप अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी ज्योतिषीय उपाय को अपना सकते हैं. इससे आजीविका में आने वाली बाधाएं दूर होंगी. कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा अपनी बुद्धि से कैरियर में आने वाली दिक्कतों को दूर कर पाएंगे. भाग्य में जो सुख और लाभ मिलना लिखा है उसे पाने में आसानी होगी.

रत्नों द्वारा उपाय

गुरु का रत्न पुखराज धारण करना इस समय आपके लिए श्रेयष्कर होगा. इससे आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी. आपके मन में और ज्ञान अर्जित करने की लालसा बढ़ सकती है. कैरियर में आने वाली रूकावटों और परेशानियों का समाधान निकाल पाएंगे.

दान के द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान आपके लिए लाभप्रद रहेगा. पुखराज, कांसा, चने की दाल, बेसन, खांड, पीला कपड़ा, पीला पुष्प, हल्दी, घोड़ा, घी, शक्कर, बूंदी, बेसन के लड्डू गुरू की वस्तुएं है. बृहस्पतिवार के दिन सूर्योदय के दो घंटे के भीतर अपने सामर्थ्य के अनुसार इनका दान करना चाहिए.

मंत्रों द्वारा उपाय

इस अविध में गुरु के मंत्र "ऊॅ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" का 19000 बार जप गुरू के शुभ प्रभाव को बढ़ाएगा. मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे. निर्धारित समय में जप पूरा कर लेने से जप का पूर्ण फल मिलता है अन्यथा जप निष्फल हो जाता है.

जप पूर्ण होने के बाद हवन करना चाहिए. हवन हेतु पीपल की लकड़ियों का प्रयोग करें. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें.

कार्य भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

दशम घर में सूर्य का गोचर

16 June 2022 - 17 Jul 2022

दशम भाव पर सूर्य का गोचर आपकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा. आप अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह ब खूबी कर पाएंगे.

सूर्य का यह गोचर आपको अपने उच्चाधिकारियों के स्नेह का पात्र बनाएगा. आपको नये दायित्व तथा आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा. आप अपनी आय से धन बचा सकते हैं. लोगों से मान–सम्मान प्राप्त होगा. बढ़ती जिम्मेवारियां की वजह से आप थोड़े क्रोधी हो सकते हैं.

दशम घर में बुध का गोचर

03 July 2022 - 18 Jul 2022

आपकी कुण्डली के दशम भाव पर बुध का गोचर हो रहा है. दशम भाव से आजीविका का विचार किया जाता है, इसलिये आपकी आजीविका प्रभावित होगी तथा कार्यक्षेत्र में आपको संचार, व्यापारिक सौदे व समझौतों से लाभ मिलेगा. कुछ शुभ सूचनाएं भी मिल सकती हैं.

बुध आपको व्यवहारिक व बुद्धिमान बनायेगा और इसका गोचर आपकी आजीविका को उन्नति के रास्ते पर ले जायेगा. आपको अपने व्यवसाय की गुप्त नीतियों को छुपाकर रखना चाहिए. आपको मनोरंजन के साधनों में समय बिताना रुचिकर लग सकता है. वाणी के प्रभाव से लोगों के बीच आपकी छवि निखर सकती है.

दशम घर में शुक्र का गोचर

14 July 2022 - 08 Aug 2022

इस अवधि में शुक्र का गोचर दशम भाव में हो रहा है जिससे संचार के साधनों से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं. महिला सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे.

उच्चाधिकारियों व सहकर्मियों से मदद मिलेगी इससे आपका फायदा होगा तथा मान–सम्मान बढ़ेगा. विलासिता से जुड़ी सामग्री क्रय कर सकते हैं. मनोरंजन के साधनों में वृद्धि होगी.

नये लोगों से दोस्ती होगी. आपकी कलात्मक क्षमताएं उभर कर सामने आएगी. घूमने–फिरने का शौक बढ़ेगा और आप खुश रहेंगे.

दशम घर में मंगल का गोचर

17 October 2022 - 14 Nov 2022

आपकी कुण्डली में मंगल का गोचर दशम भाव पर हो रहा है. इससे आप पहले से अधिक मेहनत करेंगे और कठिन कामों को भी पूरा करने के लिए प्रयासरत रहेंगे. आपकी यही क्रयाशीलता कार्यक्षेत्र में आपको सफलता दिलाएगी.

मंगल आपको ख्वाबों से निकलकर यथार्थ स्थिति के अनुसार काम करने की योग्यता देगा. आप पहले से कहीं अधिक व्यवहारिक बनेंगे. आजीविका में अपनी स्थिति का आंकलन करके आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे.

साहस, उत्साह, पराक्रम और आशावादी नजरिये के बल पर अपने प्रतियोगियों से आगे निकलने में कामयाब हो सकते हैं. शुभ फलों की पूर्ण प्राप्ति के लिए आलस्य का त्याग करना चाहिए.

दशम घर में चन्द्र का गोचर

16 January 2022 - 18 Jan 2022
12 February 2022 - 15 Feb 2022
12 March 2022 - 14 Mar 2022
08 April 2022 - 10 Apr 2022
05 May 2022 - 08 May 2022
01 June 2022 - 04 Jun 2022

29 June 2022 - 01 Jul 2022
26 July 2022 - 29 Jul 2022
22 August 2022 - 25 Aug 2022
19 September 2022 - 21 Sep 2022
16 October 2022 - 18 Oct 2022
12 November 2022 - 15 Nov 2022
10 December 2022 - 12 Dec 2022

चन्द्र का गोचर दशवें घर पर होना आपकी आजीविका को प्रभावित करेगा. संभावना है कि, इस दौरान लाभ के अवसर मिल सकते हैं जिससे धन की कमी दूर होगी. कार्यों को करते समय आपको अपना मन शांत रखना चाहिए और धैर्य से काम लेना चाहिए इससे अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी.

कार्यों में आपको मित्रों एवं सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. सहकर्मियों एवं सहयोगियों से अच्छे सम्बन्ध का आपको लाभ भी मिलता रहेगा. इसलिए, इनसे सम्बन्ध खराब नहीं करना चाहिए. कार्य में आने वाली सामान्य बाधाएं दूर होंगी जिससे चिन्ताओं में कुछ कमी आयेगी. सभी के साथ मिलकर काम करने के गुणों के कारण आपकी सराहना होगी.

कार्य भाव के स्वामी का कार्य भाव में गोचर

03 July 2022 - 18 Jul 2022

इस अवधि में दशम भाव का स्वामी बुध दशम भाव से गोचर कर रहा है. यह गोचर आपकी व्यवसायिक योग्यता को बढ़ाएगा. आप क्रय–विक्रय के कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. अपनी व्यवहार कुशल वाणी से व्यापार में तरक्की करेंगे. लेखन में आपकी रूचि है तो अच्छे लेखक के रूप में उभर कर सामने आ सकते हैं.

इस गोचर के प्रभाव से संचार माध्यम तथा मीडिया के क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में आप अपनी बौद्धिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे जिससे आपको लाभ मिलेगा. आपकी रूचि पर्यटन में हो सकती है, आप सैर–सपाटे पर जाने की सोच सकते हैं. यात्रा लाभप्रद रहेगी.

आप पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव

30 April 2022 - 13 Jul 2022

आप पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है, जिसका प्रभाव आपकी आजीविका पर भी पडेगा. फलस्वरुप आपकी आजीविका के लिये यह समय कष्टकारी हो सकता है. आपके मान–सम्मान में कमी की संभावना रहेगी. इस अवधि में संभव है कि, आपको अपनी योग्यता के अनुसार वेतन नही मिले.

नई योजनाओं से आपको धन की हानि होने की संभावना है. अपने निर्णयों की वज़ह आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. शत्रु वर्ग इन दिनों आप पर हावी होने की कोशिश करेंगे. व्यापार में हानि आशंका है. मन में असंतोष का भाव बढ़ेगा. इन दिनों आपके अंदर सहनशीलता बढ़ेगी और अधिक मेहनत भी करेंगे.

कार्य में निष्ठा व ईमानदारी बनाये रखना आपके लिए फायदेमंद होगा. दया, धर्म और नेक कार्य इस

समय आपकी मुश्किलों को कम करने में सहायक हो सकती है.